Aman Kumar
"450093192001"

Date ___/___/___
Page ________

स्वतंत्रता सेनानि -: [बाल गंगाधर तिलक]

हम सबको पता है कि हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था और इस आजादी पर हम सब भारतवासी को बहुत गर्व है। हर साल की तरह इस साल भी 15 अगस्त को झंडा फेहरायेंगे और दो-चार देशभक्ति गीत गाकर घर आ जायेगें। हमारी आजादी उन भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की वजह से है, जिन्होंने हमारे देश को आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इन महान हस्तियों को हम बदले में कुछ नहीं दे सकते हैं, लेकिन कम से कम हम उन्हें इस आजादी के ~~दिन~~ दिन याद तो कर सकते हैं, उनके बारे में जान तो सकते हैं।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐसे वीरों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे हैं, जिन्होंने अपने अकेले के दम पर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई शुरू की, उनमें से एक वीर योद्धा थे - **बाल गंगाधर तिलक।**

बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है। लोकमान्य का अर्थ है लोगो द्वारा स्वीकृत किया गया नेता। लोकमान्य के अलावा इनको हिन्दू राष्ट्रवाद का पिता भी कहा जाता है। इनका जन्म 23 जुलाई 1856 में हुआ था। वो एक भारतीय राष्ट्रवादी, शिक्षक, समाज सुधारक, वकील और एक स्वतंत्रता सेनानी थे। बाल गंगाधर तिलक को ब्रिटिश राज के दौरान ~~स्वास्वा~~ स्वराज के सबसे पहले और मजबूत अधिवक्ताओं में से एक माना जाता था। उस दौरान उन्होंने ~~##~~ मराठी भाषा में नारा दिया था - "स्वराज्य हा माझा जन्मसिद्ध हक्क आहे आणि तो मी मिळवणारच"। इसका हिन्दी अर्थ है - ~~@~~ स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।